नाम- _____

रविवार की सीख

रविवार का दिन था। मिश्रा परिवार ने तय किया कि वे आज घर की सफ़ाई मिलकर करेंगे। पिता अनिल जी ने कहा, “हर किसी को थोड़ा-थोड़ा काम करना होगा।” माँ ने रसोई की ज़िम्मेदारी ली, बेटा रोहन ने बगीचा संभाला और बेटी नेहा ने किताबें व्यवस्थित कीं।
काम करते हुए रोहन ने कहा, “मैं थक गया हूँ!” पापा ने हँसते हुए कहा, “अगर हम सब मिलकर काम करेंगे तो जल्दी निपट जाएगा।” थोड़ी देर में घर चमकने लगा। बाद में सबने मिलकर खाना खाया और एक साथ फिल्म देखी।
नेहा ने मुस्कराकर कहा, “आज बहुत मज़ा आया, क्योंकि हमने सब मिलकर काम किया।” अनिल जी बोले, “यही तो परिवार की ताक़त है — मिलजुल कर रहना।”

प्रश्न:

1. मिश्रा परिवार ने रविवार को क्या काम किया?

उत्तर: _____

2.रोहन ने कौन-सा काम किया?

उत्तर: _____

3.नेहा ने सफ़ाई के बाद क्या कहा?

उत्तर: _____

4.इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

उत्तर: _____